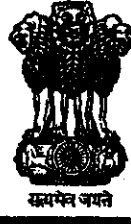


M-81
2/11
6/11/05

R-10793
9/8/04
भारत सरकार मुद्रिालय.....RECD. NO. D.L. 33004/99
वे दिवांक.....को प्राप्त ।



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

P.O.—450
KM—30
Depth—200
CPB—220

सं. 346] नई दिल्ली, बुधस्तिवार, अगस्त 12, 2004/श्रावण 21, 1926

No. 346] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 12, 2004/SRAVANA 21, 1926

पर्यावरण और वन मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 2004

सा.का.नि. 520(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग- II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 12 जुलाई, 2004 में प्रकाशित, भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 448(अ) तारीख 12 जुलाई, 2004 में,—

- (i) पृष्ठ 1 पर, पैरा 2 के खण्ड (क) के उपखण्ड (i) और (ii) में, "1 जुलाई, 2005" शब्द और अंकों के स्थान पर, दोनों स्थानों पर, जहां-जहां वे आते हैं, क्रमशः "1 जनवरी, 2005" शब्द और अंक पढ़ें;

- (ii) पृष्ठ 2 पर, स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

"स्पष्टीकरण : यह विस्तार केवल 19 किलोवाट तक के इंजनों के ऐसे प्रदायकर्ताओं को ही लागू होगा;

- (1) जिन्होंने इस रेंज में अपने इंजन माडलों में से कम-से-कम एक माडल के लिए किस्म अनुमोदन प्रमाण-पत्र 30 जून, 2004 तक अभिप्राप्त कर लिया है; या

- (II) जिन्होंने बैंक गारंटी प्रस्तुत की है और उत्सर्जन सीमाओं का अनुपालन करने के लिए जैनसेट डीजल इंजनों के विकास के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर द्वारा किए जा रहे अध्ययन मदे अभिदाय भी किया है।

[फा. सं. क्यू.-15022/2/2001-सीपीए]

आर. के. वैश, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT
AND FORESTS

CORRIGENDA

New Delhi, the 12th August, 2004

G.S.R. 520(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Environment and Forests Number G.S.R. 448(E) dated the 12th July, 2004, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 12th July, 2004, at page 2 and 3, in the Table, in the Explanation,—

- (i) for "This extension", read "This extension for engines upto 19 kW";

- (ii) at the end of clause (I), add "or".

[F. No. Q-15022/2/2001-CPA]

R. K. VAISH, Jt. Secy.